SJVN ने IIT पटना के साथ साझेदारी की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **SJVN लमिटिड** ने अपनी सुरंग परियोजनाओं में उन्नत भूवैज्ञानिक मॉडल का उपयोग करने के लिये **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान- पटना (IIT पटना)** के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये हैं। इससे समय और लागत में काफी कमी आएगी।

मुख्य बिंदु:

- इस साझेदारी के प्रमुख परिणामों में से एक **प्रीडिक्टिव एनालिटिक्स एल्गोरिदम्स** का विकास होगा।
  - ये एल्गोरिदम एकीकृत भू-तकनीकी डेटा का लाभ उठाकर **संभावित जोखिमों** का पहले से अनुमान लगाएंगे और विशेष रूप से सुरंग परियोजनाओं के लिये तैयार की गई **प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली प्रदान करेंगे।**
  - इस तरह के सक्रिय उपायों से परियोजना कार्यान्वयन के दौरान **समय और लागत में काफी कमी होने** की आशा है।
- MoU की प्राथमिकता अत्याधुनिक कार्यप्रणाली विकसित करना है जो विविध भू-तकनीकी डेटा स्रोतों को एकीकृत करती है।
  - इनमें **SJVN की परियोजनाओं से संबंधित भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, बोरहोल डेटा, भूभौतिकीय माप और निगरानी डेटा** शामिल होंगे।
- इस सहभागिता का उद्देश्य ओवरबर्डन व डिफोर्मेशन (विरूपण) के बीच जटिल संबंधों का मूल्यांकन करना भी है, जिससे सुरंग परियोजनाओं के लिये महत्त्वपूर्ण समर्थन प्रणालियों के मूल्यांकन और डिज़ाइन को संवर्द्धित किया जा सके।
  - एकीकृत भू-तकनीकी डेटा और 3D भूवैज्ञानिक मॉडल का उपयोग करके, SJVN तथा IIT- पटना का लक्ष्य संभावित **जोखिमों व खतरों की पहचान करना एवं उनका विश्लेषण करना है।**

सतलुज जल विद्युत निगम (SJVN लमिटिड)

- यह एक **भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम** है जो जलविद्युत ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन में शामिल है।
- इसे **वर्ष 1988 में नाथपा झाकड़ी पावर कॉर्पोरेशन** के रूप में शामिल किया गया था, जो भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sjvn-partners-with-iit-patna-to-improve-tunneling-project-performance